हैर्। प्यासम् adj. mit goldenen Federn geschmückt: Pfeile MBu. 4,2071. हैर्। एयस्तूप 1) adj. (f. ई) von Hiranjastupa verfasst Nia. 10, 32. ÇÂÑKH. GRUJ. 2,7. — 2) m. patron. des Arkant, Verfassers von RV. 10,149.

हैरएयस्तूपीय adj. = हैरएयस्तूप Çâñen. Ça. 10,13,13. 18,19,2. हैरएियक adj. (f. झा und ई) von हिरएय gaņa काश्यादि zu P. 4,2,116. हैरएवती f. N. pr. eines Flusses MBs. 6,290. — Vgl. हिरएवती.

होस्ब adj. zu Heramba (Ganeça) in Beziehung stehend, ein Verehrer des H. Verz. d. Oxf. H. 249,b,25. Wilson, Sel. Works 1,20. 263.

हैरिक m. Späher H. 733. Dieb (Verwechselung von चार् und चीर्) Duarani im ÇKDr.

**कैलिक्लि s. मका**ः

रूप m. N. pr. gaṇa शिवादि zu P. 4,1,112. pl. N. pr. eines Volksstammes MBH. 1,4472. 3,8832. 5,7212. 12,1750. 13,1951. HARIV. 763. 768. fg. 775. 1894. 1898. R. 1,70,28. 2,110,16 (119,16 GORR.). 7,31,9. VARÎH. BŖH. S. 14,20. VP. 373. fg. 418, N. 20. MÎRK. P. 17,8. 58,34. BHÂG. P. 2,7,4. 9,8,5. 15,14. 17. sg. ein Fürst der Haihaja (insbes. Bez. von Arguna Kartavirja) TRIK. 2,8,9. 3,3,228. H. 702. MBH. 12,1756. 13,1946. 7188. HARIV. 1884. RAGH. 11,74. MÎRK. P. 17,9. ein Sohn Sahasrada's HARIV. 1844. fg. Çatağit's VP. 416. BHÂG. P. 9,23, 21. ein Autor Verz. d. B. H. No. 941.

कैक्व m. = कैक्य = म्रर्ज़न: कार्तवीर्य: ÇABDAR. im ÇKDR.

हों interj. des Anrufens gana चादि zu P. 1,4,57. H. an. 7,6. Med. avj. 88. TS. 2,6, 5,3. Çat. Bs. 14,8,15,11. Lârs. 1,11,26. हो होत: Âçv. Ça. 8,13,5. हो होपि Кианд. Up. 4,1,2. जापे हा तिष्ठ Навіч. 1398. ননু हो Ки. 15,20. हो हो Мед. avj. 92.

कें। इ. कें। इते Daârup. 8,83 (म्रनादरे, गती). denom. von काउ P. 3,1,11, Vartt. 3.

কাত্ত P. 3, 1, 11, Vartt. 3. gaņa पृथ्वाद् zu P. 5, 1, 122. 1) m. a) Boot Тык. 1, 2, 13. — b) am Ende von Personennamen bestimmter Kājastha und Brahmanen ÇKDa. Suppl. — 2) f. স্থা gaṇa মুরাহ্ zu P. 4, 1, 4. — Vgl. মূন্ o und কাত্ত.

हाउर (!) nom. ag. Räuber, Wegelagerer Çabdanthak. bei Wilson. — Vgl. हाड.

क्रांडिम् m. nom. abstr. von क्रांड gana पृथ्वादि zu P. 5,1,122.

हेार्, हेारते und हेारायते = हेार इव बाचरति Vor. 21,7. fehlerhaft für हेार्, हेार.

ক্টাত Vop. 21,7 feblerhaft für কাত্ৰ. Das n. soll M. 9,270 nach Benfer und Monier Williams gestohlenes Gut bedeuten; কাঁতিন ist aber = ক্ ত্ৰতিন (s. u. 1. বকু 9) am Ende). Nach Wilson auch adj. gestohlen. — Vgl. কাত্ৰে.

हातरू nom. ag. Uṇhois. 2,96. P. 3,2,135, Vartt. 1. Declination P. 6,4,11. Vop. 3,65. 1) Priester, der Hamptpriester, neben welchem in der frühesten Zeit nur der Adhvarju thätig ist. पत्ति R.V. 1,14,11. 139,10. 7,7,5. 39,1. यत्तीयंस् 3,17,5. यतिष्ठ 4,2,1. sitzt auf der Streu 1,26,2. 58,3. 6,16,10. 7,11,1. 30,3. मनुष: 73,2. अमूर् 4,6,2. होता विवासते वाम् 1,117,1. होतिव सम् पर्योम् रूभन् 7,18,22. आ वो होता जीक्वीति सत्तः 56,18. अध्योवी प्रयंत हस्ताह्वातीर्वा प्रमं कृविषा जुषस्व

3,35,10. 9,92,6. 97,1. AV. 1,11,1. der vornehmste aller Hotar ist Agni: हातीर्मीमं मनेषो नि षेड: RV. 5,3,4. 5. मनुर्कित 1,13.4. मन्द्र 26,7. क्व्यवकु 67,1. 76,2. तमधर्गत कार्ताप्ति 94,6. स्रधरस्य 7,14,2. 16,12. विश्वभर्स् 4,1,19. सत्ययज्ञ 3,1. 6,5. 6,16,1. 10,2,1. AV. 2,28,2. म्राग्निस्तहोता मुक्केतं कृषोत् 6,17,1. 18,4,15. — स्रतचित् RV. 7,85,4. म-न्मसाधन 151,7. वेदिषद् 4,40,5. विश्ववेदस् 1,36,3. वस्विद् 45,7. रत्नधा 1,1,1. देव्या कातारा in den Apri-Liedern nach den Comm. dieser und jener Agni Nis. 8,11. RV. 1,13,8. 188,7. 5,5,7. सवाचा 10,110,7. Air. Br. 2,4. sieben Hotar RV. 3,10,4. 8,49,16. 10,63,7. - Açv. Cr. 1, 7,7. MAITBJUP. 6,16. R. GORR. 1,13,19. Spr. (II) 3184. RAGH. 1,62. 82. ed. Calc. 2,71. VABAH. BRH. S. 60,13. BHAG. P. 9,1,14. Civa MBH. 12, 10364. Opferer von mit gen. gana याजकारि zu P. 2,2,9. न वै कन्या न प्वतिः u. s. w. कृति स्पाद्मिकात्रस्य M. 11,36. fg. mit dem im gen. gedachten Worte componirt gana पात्रकारि zu P. 6, 2, 151. हेम्प Навіч. 1417. या (तन्रीशस्य) वेत्रात्री Сак. 1. दश वेत्रिण МВн. 14,628. fgg. In die Stelle विश्वास पृतस् केर्तिष् हुए. 8,20,20 ist das Wort durch Verderbniss gekommen. Erklärt durch হ্বানেতা Nia. 4,26 oder হ্বানা 7,15, während Aurnavabha ebend. das Wort auf 1. इ opfern zurückführt, was vermuthlich richtig ist. Die Anknüpfung an क्र = द्वा ist aus der Function des Hotar im Ritual genommen, während das Wort natürlich älter ist. Die Incongruenz von Wort und Beruf tritt schon in den Bramana auf, z. B. यदन्या जुकाति (nämlich der Adhvarju) म्रय या उन् चारु पत्रित च कस्मातं देतित्याचतते Air. Ba. 1,2. — 2) im ausgebildeten Ritual a) Bez. des ersten unter den vier Hauptpriestern und b) seiner Gehilfen - Maitravaruna, Akkhavaka, Gravastut -, dazu endlich auch e) der nächsten Gehilfen des Brahman - Brahmanakkhamsin, Agnidhra, Potar nebst dem Neshtar -; oder es werden d) der Hotar mit den genannten, unter Ausschluss des Gravastut, als die sieben Hotar bezeichnet (vgl. Comm. zu Pangav. Br. 12,13, 5. 8). e) im weitesten Sinne können die vier Hauptpriester -Hotar, Adhvarju, Udgåtar, Brahman - so heissen mit ihren sämmtlichen Gehilfen, den Hotrka. Die Texte des Hotar sind die Ŗkas, als sein Buch gilt also der Rgveda und die dazu gehörigen Rituale. Ind. St. 9,375. 10,139. fgg. AK. 2,7,16. H. 819. Att. Br. 2,5.15.20. 37. 3,14. 7,1. 16.18. ÂÇV. ÇR. 4,1,6. 6,4,1. KÂTJ. ÇR. 7,1,6. TS. 2,5,41,2. ÇAT. BR. 1,5,2,8. fgg. 8,2,4. 2,5,2,30. गुणाति वा एतद्वाता यच्छंसति 4,3, a, 1. 5, e, 12. ऋचे। ८न्वारु 9,2, a, 11. 12, 1, a, 5. देशता च ब्रह्मा च ब्रह्मायं वदतः 13,2,6,9. के्ातर्भिष्ट्कि 5,1,16. के्ातरेतखड Kirs. Çr. 9,13,16. Lit. 7,13,12. स्राप्टेबर्ड Vaitan. 11. 22. 25. व्हाने उन्गणाति, वेनि प्रति-गृणाति, व्हाता प्रथमं शंसति तमधर्पः प्रोत्साक्यति P. 1,4,41, Schol. M. 8, 209. HARIV. 1334. 11360 (11362 in der älteren Ausg. fehlerhaft für 47-त्रा). VP. 276. Buis. P. 9,11,2. हातापातारी Schol. zu P. 6,3,25. Vop. 6,5. क्रात्यिक्य Kâts. Ça. 6,9,9. 10,14. 8,6,21. प्रत्यय 12,3,15. प्रीष 3,3,15. 18. भत 9,13,24. वामन् Lâṇ. 3,4,7. 6,2,14. 18. — 3) पँख adj. dem fünf Priester dienen, vermuthlich Varuna RV. 5,42,1 (vielleicht die fünf Aditja ausser Mitra-Varuna). Die fünf Hotar 2, 34,14 haben hierher keine Beziehung. Nach einem Citat bei Sas, zu d. St. ware Vaju gemeint. m. nämlich मञ्च, in welchem fünf Gotthei-